

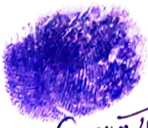
106/21 (2021/301)

हुक्म या कार्यवाही मय इतिशियलय जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस हुक्म
की तामील में जारी हुए

16/12/2023 पञ्चकारान मद्र वकील के
 आवेदन पर जे पत्रावली तपख की
 व्याकर-पेशी तरीख पर ली गई।
 वादीगण मद्र वकील उपस्थित। उक्तिवादी
 संख्या 1 ले 3 उपस्थित। पञ्चकारान की
 ओर से आवेदन-पत्र वादते - वादपत्र
 बिन्दु रवारिख कसे कायत पेश की गई।
 वकील वादी ने निवेदन किया कि
 पञ्चकारान के मद्र झापली कहमति
 के आधार पर राप्पीनापा हो गिना है।
 अब पञ्चकारान के मद्र बिवाद नहीं
 होने के कारण वादीगण का वाद
 व्यक्ति राप्पीनापा बिन्दु रवारिख करमाया
 वाले उक्तिवादी संख्या 1 ले 3 की ओर ले
 गी कहमति स्वरुप उमदीया पर समुपक
 दस्त-ताहर फिर गर। इनमें उमपत्र को
 वदत हुनी उमद-कहा पर मद्र किना
 तथा पत्रावली व उक्त आवेदन-पत्र का
 माहौल - सूचक इवलेका किना। पञ्चकारान
 संघ ने उपस्थित होकर राप्पीनापा आवेदन
 पत्र पेश किया है। जिनकी पहला वकील
 श्री देवीलिट कहेना होर की गई है और
 आवेदन-पत्र संख्या वादगण मद्र के तपख
 में राप्पीनापा हो गिना है और इनकी वाद
 आगे चलना नहीं चाहते है। जेसी दरख्त में
 मद्र उक्त आवेदन का स्वीकार किना व्याकर
 वादी का वाद इसी स्लेख पर रवारिख
 किना जाता है।

मे लाराण
 इमतीपाम



अ.दि. वापुसि



अ.दि. मद्रास

मे लाराण

दफ्तर को
 सिद्ध वाकी